ensuring that the visit of his Holiness the Pope during the dates of 5th to 8th November is a glittering success. That is all that I have said.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Mr. Chairman, Sir.....

MR. CHAIRMAN: Let me say on this subject first.

SHRI M. VINKAIAH NAIDU: Sir, I will be very brief. Sir, try to respect our sentiments also. They go on making running commentary. They don't understand our hurt feelings. I have no words to say. I am sorry. See, they took the name of RSS Chief. In what way he is connected here? Mr. Chairman, Sir, I don't know whether you were able to hear him or not, but in what way the Chief of the RSS is connected with this? I humbly request that the names of the organisations and the name of the Chief of the RSS should be deleted from the proceedings because this House should not be allowed to denigrate the persons who are also patriots. They are also nationalist forces. They can have their view. The BJP has taken a view that the Pope is welcome, all respect should be given to him. Nobody object from the party also. Not only that, even the RSS Chief has said it.

I want to put it on record, Sir, that RSS or the Vishwa Hindu Parishad or even other organisations, as I could read in newspapers, nobody has opposed the visit. Let us maintain peace and harmony. Let us not inflame passions by our speeches here in this House. This is my request.

OBSERVATION BY THE HON'BLE CHAIRMAN

MR. CHAIRMAN: Now, hon. Members, whatever has happened, in spite of walk-out or raising some objections, I would like the country to know that the general consensus of this House is that as Indians we are heirs to a great cultural tradition of tolerance shaped- by Buddha, Mahavira, the Sufis, Ramakrishna Paramhansa, Swami Vivekananda and Gandhiji. Gandhiji used to say, "You can never be a good Hindu unless you are a good Christian." Vinoba Bhave said that India's biggest contribution in this century is Sarvadharma Prarthana, prayer of all religions. That is what the biggest contribution of this century to the whole mankind and all religions is. I think, on this issue, whatever Members might have said, there is a general consensus of this House. Whatever you might say otherwise; His Holiness, the Pope is our honoured guest. Besides being the head of a religious community, he is also a head of State. It is our duty—as the Leader of the House has also said and each one of us has said—to give him the honour he deserves. We owe it not to the Pope, but also to ourselves, to our culture, to Gandhiji, our freedom traditions that it should be the same honour everywhere, during this period when he comes here and even afterwards, so that in the new world where religious terrorism is growing, India sets an example that terrorism and fundamentalism cannot besiege religions. Religion has to rise to spirituality so that India can become a light to the whole world.

With these words, I think the consensus should be clear. One should not go by what hon. Members have said in anger. So, the whole atmosphere in the country should be much better, much holistic, much more harmonious, and it is in this atmosphere that we welcome him and welcome everybody.

RE. QUESTION OF PRIVILEGE

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी, मैं यहां आपके माध्यम से बहुत ही व्यथित उदत से यह विषय उठा रहा हूं, इसका उल्लेख कर रहा हूं । श्रीमान संसद-सदस्यों को लगातार यह परेशानी रही है कि एनडीएमसी और डेसू जो पानी और बिजली के बिल एम.पीज. के यहां भेजते हैं, वह अनियमित होते हैं और कभी भी कोई लोग मीटर देखने नहीं आते, मीटर रीडिंग लेने नहीं आते, मनमाने तरीके से बिल भेजते हैं। इस संबंध में मैंने एक चिट्ठी 23 जुलाई, 1998 को श्री राम जेठमलानी जी को, जब वह अरबन डवलपमेंट विभाग के मिनिस्टर थे, लिखी थी कि यह अनियमितताएं हैं, इसकी जांच करवाइए ताकि जो वास्तविक बिल हो वह जमा किया जा सके । उन्होंने 01 अगस्त, 1998 को जवाब दिया कि मैं इसकी जांच करवा रहा हूं। इसके बाद कभी कुछ नहीं हुआ। अभी चार दिन पहले मैंने जो इस समय नए मंत्री जो हैं जगमोहन जी, उनको एक चिट्ठी लिखी। परिणाम यह हुआ कि कल रात को हमारे घर की बिजली काट दी गई।

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : क्यों काट दी गई ?

प्रो. राम गोपाल यादव : इसलिए, क्योंकि मैंने यह शिकायत की थी कि इसमें गड़बड़ी है।

कुमारी सरोज खापर्डे : आप समाजवादी पार्टी के हैं, क्या इसलिए काटी?

प्रो. राम गोपाल यादव : आप समाजवादी पार्टी के हैं, इसलिए नहीं काटी बल्कि मैंने जो गड़बड़ी का जिक्र किया, गड़बड़ी का उल्लेख किया इसलिए संभवतः अधिकारियों ने आफेंडेड फील किया हो और यह महसूस किया हो कि जो लोग जांच करवाने की मांग करेंगे उनके साथ यही सलूक होगा।

श्रीमन् एक संसद सदस्य के रुप में मेरे साथ हुई इस कार्यवाही से मैं अपने को अपमानित महसूस कर रहा हूं और इसलिए मैंने नियम 187 के तहत एक प्रवीलेज का नोटिस भी दिया है। मैं आपसे अनुरोध करुंगा की यह मामला प्रिवीलेज कमेटी को सौंपा जाए क्योंकि संसद सदस्य के रुप में कल रात मैं कुछ पढ़ नहीं सका, तैयारी नहीं कर सका, और भी तमाम बातें हैं, मेरी पत्नी एक दुखद घटना के बाद से लगातार बीमार है,हार्ट पेशेंट है। कल शाम 6 बजे के बाद जब पत्नी और बच्ची अकेली थी तो हमारे घर की बिजली काटी गई। पता ही नहीं चल पाया। जब मैंने पता किया, मुझे प्रसन्नता यह है कि आनरेबिल चेयरमैन केम टू माई रेसक्यू। जब कोई नहीं था तो एक गार्जियन के नाते मैंने आपसे कहा कि मेरे साथ यह हुआ है और यह इसलिए हुआ कि मैंने दरखास्त दी थी कि अधिकारी गड़बड़ी कर रहे हैं।

श्रीमन् मैं यह मांग करता हूं कि मैंने जो नोटिस दिया हैं, आपको सारे अधिकार हैं, इस मामले को प्रिवीलेज कमेटी को सौंपा जाए ताकि अन्य संसद-सदस्यों के साथ ऐसा न हो सके क्योंकि सभी माननीय सदस्यों के बिल इस तरह के हैं। मैं चाहता हूं कि सही बिल हों, कही लोगों के दिल में यह चीज न चली जाए कि एम.पीज. लोग बिल का भुगतान नहीं देना चाहते। मैं यह मामला इसलिए भी उठाना